# राष्ट्रपति का चुनाव

लॉरिडा कीज़ लौंग

यूं तो 4 नवम्बर को डाले गए और इलेक्टोरल मतों में से ज़्यादा मत अमेरिका के सेनेटर बाराक ओबामा को ही मिले हैं और उन्हें निर्वाचित राष्ट्रपति भी कहा जा रहा है लेकिन असल में वह अभी राष्ट्रपति निर्वाचित नहीं हुए हैं।

अमेरिकी संविधान के प्रावधानों के अनुसार राष्ट्रपति को जनता द्वारा सीधे नहीं बल्कि इलेक्टर कहे जाने वाले नागरिकों के एक निर्धारित समूह द्वारा निर्वाचित किया जाता है । इलेक्टरों का समूह ही इलेक्टोरल कॉलेज है। ये 15 दिसम्बर को राज्यों की राजधानियों और वाशिंगटन, डी.सी. में राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति पद के प्रत्याशियों के लिए मतदान करेंगे। जनवरी की शुरुआत में अमेरिकी कांग्रेस उनके मतों की गणना करेगी और फिर विजेताओं के नामों की घोषणा होगी ताकि 20 जनवरी को उन्हें पदों की शपथ दिलवाई जा सके।

लेकिन फिर ओबामा के निर्वाचन का जश्न क्यों मनाया जा रहा है? इसलिए क्योंकि अब तक जनता के और इलेक्टोरल मतों से तो यही पता चलता है कि ओबामा को बहुसंख्य अमेरिकियों का समर्थन मिला है। अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव के 219 बरस के इतिहास में केवल एक प्रतिशत इलेक्टरों ने ही उस व्यक्ति के पक्ष में मतदान नहीं किया है जिसके प्रति वह वचनबद्ध थे।

सभी राज्य अपने इलेक्टरों को सीधे निर्वाचित करते हैं। 4 नवम्बर को अमेरिकी दरअसल ओबामा, रिपब्लिकन सेनेटर मैक्केन या अन्य दलों के प्रत्याशियों के प्रतिनिधियों- स्लेट्स ऑफ़ इलेक्टर्स के चुनाव के लिए मतदान करते हैं। कुछ राज्यों में इलेक्टरों के नाम मतपत्र पर प्रत्याशी के नाम के नीचे छपे रहते हैं, कुछ राज्यों में ऐसा नहीं होता। तो इलेक्टरों को कौन नामांकित करता है? उनके दल।

अधिकांश राज्यों में राष्ट्रपति पद के विजेता प्रत्याशी को ही सब मत मिले माने जाते हैं। अगर ओबामा को कैलिफोर्निया जैसे राज्य में अधिक प्रत्यक्ष मत मिलते हैं तो वह उस राज्य के सभी इलेक्टोरल मत जीत लेंगे। कैलिफोर्निया में इन मतों की संख्या 55 है- हर सेनेटर और हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स के सदस्य का एक-एक मत।

ऐसा क्यों है?

एक कारण तो यह है कि संविधान 18वीं सदी में लिखा गया था। दूर-दूर की यात्रा में लम्बा समय लगता था। इसलिए इलेक्टरों को अपने राज्यों की राजधानियों तक पहुंचने के लिए एक महीने से अधिक का समय मिलता है और कांग्रेस के सदस्यों को मिलकर मतगणना करने के लिए भी कई सप्ताह मिल पाते हैं।

इस व्यवस्था का एक और कारण यह है कि इलेक्टोरल कॉलेज प्रणाली राष्ट्रपति के चुनाव में राज्यों की भूमिका को बनाए रखती है। अमेरिका के संस्थापक नहीं चाहते थे कि राष्ट्रपति का चुनाव केवल अधिक जनसंख्या वाले राज्यों या बड़े शहरों के निवासी करें। इसलिए उन्होंने प्रत्याशियों के लिए कई विभिन्न राज्यों का समर्थन पाना अनिवार्य कर दिया। उदाहरण के लिए ओबामा को पांच या छह सब से अधिक जनसंख्या वाले राज्यों में सबसे अधिक मत मिले लेकिन चुनाव जीतने के लिए यह काफी नहीं था। उन्हें और मैक्केन को देशभर में चुनाव प्रचार करना पड़ा।

इस चुनाव में 538 इलेक्टर थे। इलेक्टोरल मतों में बराबरी होने की स्थिति में हाउस ऑफ़ रिप्रेजेंटेटिव्स राष्ट्रपति और सेनेट उप-राष्ट्रपति का चुनाव करते हैं। इसीलिए इलेक्टर अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य नहीं हो सकते और अपने दल और प्रत्याशी के प्रति वचनबद्ध साधारण लोगों को अमेरिका के राष्ट्रपति के निर्वाचन का सम्मान दिया जाता है।

ज़्यादा जानकारी के लिए :
http://www.archives.gov/
http://www.america.gov/

*50 राज्यों और डिस्ट्रिक्ट ऑफ़ कोलंबिया का इलेक्टोरल कॉलेज के हिसाब से प्रभाव।*